भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

04.12.2024 के

तारांकित प्रश्न सं. 127 का उत्तर

वंदे भारत ट्रेन से राजस्व और हानि

***127. श्री राजीव राय:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और वाराणसी रेलवे स्टेशन के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने में हुई आय या घाटे का ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक ठहराव स्टेशन पर इस रेलगाड़ी से अर्जित राजस्व/हुए घाटे का ब्यौरा क्या है;

(ग) कानपुर रेलवे स्टेशन और वाराणसी रेलवे स्टेशन के बीच इस रेलगाड़ी के चलने के संबंध में यात्रियों की संख्या और वाणिज्यिक व्यवहार्यता का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार इस रेलगाड़ी की वाणिज्यिक व्यवहार्यता में सुधार के लिए इसके मार्ग को वाराणसी से आगे आसपास के जिलों तक विस्तारित करने पर विचार कर रही है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

वंदे भारत ट्रेन से राजस्व और हानि के संबंध में दिनांक 04.12.2024 को लोक सभा में श्री राजीव राय के तारांकित प्रश्न सं. 127 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): वर्तमान में, नई दिल्ली-वाराणसी रेलखंड को 02 जोड़ी वंदे भारत सेवाओं सहित 27 जोड़ी रेलगाड़ियों द्वारा सेवित किया जा रहा है। इसके अलावा, भारतीय रेल में गाड़ी सेवाओं का विस्तार करना यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन एक सतत प्रक्रिया है।

2024-25 (अक्टूबर, 2024 तक) के दौरान, कानपुर और वाराणसी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की समग्र अधिभोगिता 113.78% थी। यह गाड़ी उच्च अधिभोगिता के कारण वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य है।

****